समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अप्रैल २०२२ • वर्ष ७३ • अंक ०४
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

९ अप्रैल २०२२ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया संबोधित करते हुए। चित्र में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रूँगटा, पद्मश्री प्रह्लादराय अगरवाला, निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका एवं संयुक्त महामंत्री सुदेश अग्रवाल परिलक्षित हैं।

२४ अप्रैल २०२२ को आयोजित पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला के अभिनंदन समारोह में श्री अगरवाला का अभिनंदन करते हुये। चित्र में परिलक्षित हैं,श्रीमती शांति देवी अगरवाला, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रूँगटा, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, सेमिनार एवं समाज विकास उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया, स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन जालान एवं पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी उपस्थित थे।

इस अंक में :

★ **अध्यक्षीय :** मर्यादा पुरुषोत्तम राम
★ **सम्पादकीय :** मानव से महामानव की पात्रा
★ **रपट :** अखिल भारतीय समिति की बैठक, अभिनंदन समारोह
★ **प्रादेशिक समाचार :** बिहार, झारखंड, पूर्वोत्तर, कर्नाटक, उत्कल
★ **विविध :** देव-स्तुति

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ अप्रैल २०२२ ◆ वर्ष ७३ ◆ अंक ४
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया**	४
मानव से महामानव की यात्रा	
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**	५-६
मर्यादा पुरुषोत्तम राम – अनुकरणीय	
● **रपट –**	
अखिल भारतीय समिति की बैठक	७-८
अभिनंदन समारोह	११-१२
● प्रादेशिक समाचार	१३-१४, १७-२१
● **विविध :**	
देव-स्तुति – डॉ. जुगल किशोर सर्राफ	२२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

बधाई !

इनसे मिलिए – ये हैं सम्मेलन की दरभंगा शाखा के आजीवन सदस्य और सुप्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.एन. सराफ जी की पुत्रबधू डॉ. प्रियंका भारती सर्राफ जिन्हें Examiner of MRCOG, London बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। ज्ञातव्य है कि डॉ. प्रियंका यह सम्मान प्राप्त करने वाली बिहार की प्रथम और भारतवर्ष की गिनी-चुनी चिकित्सकों में से एक हैं, सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

मानव से महामानव की यात्रा

हम यह जानते हैं कि मानव जीवन सभी योनियों से श्रेष्ठतम है। अन्य सभी योनियों में जीवन प्रकृति की सीमाओं से वंधा रहता हैं। मनुष्य को स्वतंत्रता दी गई हैं कि वह अपने जीवन को अपने इच्छानुसार जी सके। मनुष्य को छोड़कर सभी प्राणी सिर्फ शारीरिक स्तर पर ही सुख व दुख भोगते हैं। मनुष्य ही एकमात्र प्राणी है जिसके पास विकल्प रहता है। विकल्प के चुनाव करने का उसके पास स्वतंत्रता है। इसी कारण मनुष्य के रूप मे जीवन यापन करते हुए हम उच्चतम शिखरों को भी प्राप्त कर सकते हैं। अगर गलत राह पर चले तो निम्नतम रसातल में भी गिर सकते हैं। प्रकृति ने मनुष्य को बुद्धि एवं विवेक दिया है जिसका प्रयोग करके हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। उदाहरण के तौर पर हम नन्ही सी कली से सीख सकते हैं कि किस प्रकार कांटे के संग रहकर, धूप वारिश सहते हुए, किसी शिकायत के बगैर वह अपनी सुंदरता एवं खुशबू विखेरती रहती है। कली से फूल बन जाने पर उसे धागे मे पिरोकर माला का अंग बना दिया जाता है जिसका भी प्रयोग किया जाता है। फूल न किसी से प्रतियोगिता करती है न ही किसी से ईर्ष्या; नही उसे अपनी सुंदरता एवं खुशबू का घमडं होता है। न ही उसे किसी से प्राप्त करने की चाह रहती है।

जीवन एक पतंग के समान है। यह एक डोर से बंधी रहती है। यह डोर है प्रभु कृपा, परिवार, अनुशासन की। प्रभुकृपा, परिवार एवं अनुशासन के डोर को पतंग से अलग कर दिया जाय तो पतंग ऊपर जाने की बजाय थोड़ी ही देर में धराशायी हो जायगा। जीवन के भागमभाग में हम अक्सर उन उपादानो का महत्व नहीं समझते। या महत्व समझ भी लेते है तो उनका पालन नही करते। एक कक्षा मे दर्शनशास्त्र के अध्यापक ने भेज पर कांच की बरनी रख दी। तदनुपरांत उसमें टेबल टेनिस के गेंद भर दिये। बच्चों से पूछा कि क्या यह भर गया? सभी ने हाँ में उत्तर दिया। पर अध्यापक महोदय ने उसके बाद संगमरमर के छोटे-छोटे टुकड़े वरनी डाले में जोकि खाली स्थानो में जाकर बैठ गये। फिर अध्यापक के पूछने पर छात्रो ने कहा भर गया। पर एक बार फिर बरनी में बालू डाला जोकि बने हुए छिद्रो में जाकर बैठ गये। यह देखकर छात्रों को शर्मिदिंगी महसूस हुई। पूछनेपर उन्होंने फिर कहा कि बरनी अब भर गया पर इसके बाकी अध्यापक महोदय ने एक गिलास मे पानी भर कर बरनी में उडेल दिया। देखते ही देखते गिलास का सारा पानी भी उस बरनी में समा गया।

अब अध्यापक महोदय ने कहा की यह कांच की बरनी हमारा जीवन है। टेबल टेनिस के गेंद ईश्वर का ध्यान है। संगमरमर को टुकड़े हमारी घर गृहस्थी एवं हमारी आवश्यकता है। बालू हमारे शौक एवं मनोरंजन है। पानी झगड़े, मनमुटाव, ईर्ष्या, द्वेष जैसे बुराई के प्रतीक है। अगर सब जीवन को बादवाली बालू जैसी चीजों से भर दंगे तो पहले वाली कोई भी बड़ी चीजे जगह नही पा सकेंगी। यदि पहले वाली चीजे पहले भर देंगे तो बादवाली चीजो की गुजाईश रहेगी। अतएव, जीवन की उत्तमता के लिये आवश्यक है कि पहले हम ईश्वर पर ध्यान दे, फिर घर गृहस्थी की सोचें, फिर अपने शौक पूरी करे। हमारी कोशिश यही रहनी चाहिए कि पानी रूपी बुराईयाँ जाने अनजाने में हमारे जीवन कभी बरनी में घुसपैठ नही कर पाये। मनुष्य ही एकमात्र प्राणी है जो अपने जीवन को शारीरिक, भावनात्मक एवं बौद्धिकस्तर जीने में विकल्पों का प्रयोग कर सकता है। हमारी समस्याओं का वास्तविक समाधान आध्यात्मिमना स्तर पर जीने से होता है। यह स्तर तभी प्राप्त होता है जब हम ईश्वर के साथ अपने संबंध के महत्व को समझते हैं एवं उनसे अपने प्रेममय संबंध को पुनःजागृत कर लेते हैं। इस स्तर पर हमे दुःख प्रभावित नही कर सकता एवं मनुष्य को निरंतर आनन्द की अनुभूति होती है। ईश्वर से संबंध विच्छेद करके हम जीवन का वास्तविक आनंद नही प्राप्त कर सकते है। जिस प्रकार एक शिशु अपने पिता का हाथ पकड़े पकड़े तो मेले में आनंद उठाता है पर जैसे ही उसका हाथ छूट जाता है, उसी मेले मे रहते हुए वह दुखी हो जाता है। मेले के लुभावने दृश्य उसे आकर्षित नहीं कर सकते। वास्तविकता यह है कि हम मनुष्य योनि की विशेषताओ से स्वयं को वंचित कर लेते हैं। उस कारण, पूर्णतः शारीरिक स्तर पर ही जीवन जीना चाहते हैं। आज की जीवन शैली धन-उपार्जन, यश, मान, सम्मान, का लक्ष्य लेकर चलती है। हम असंयमित एवं अनुशासन हीन जीवन जीते हैं। जीवन के अर्थ एवं प्राथमिकताओं को दर किनार करते हुए जन्म, मृत्यु, जरा, व्याधि में ही जीवन को खपा देते हैं। बनावट - दिखावट - सजावट के चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं। मानव को महामानव बनने से उसका, लोभ, मोह एवं अज्ञान ही बाधा बनता है।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

मर्यादा पुरुषोत्तम राम – अनुकरणीय

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही सुधी बन्धुगण,

स्नेह वंदन! आप स्वस्थ रहें, निरोग रहें और प्रभु कृपा आप पर सदा बानी रहे। चैत्र मास प्रारंभ हो चुका है। इस माह में नई विक्रमी संक्त २०७९ की शुरूवात हो रही है। चैत्र नवरात्रा, गणगौर, रामनवमी, आदिवासी पर्व सरहुल, पौयला बैशाख, वैशाखी, महावीर जयंती, हनुमान जन्मोत्सव, गुड़ी पड़वा, झूलेलाल जयंती, अंबेडकर जयंती आदि कई त्यौहार एवं पर्व पड़ते है। साथ ही साथ अन्य धर्मों की बात करें तो माहे रमजान और गुड फ्राइडे भी इसी माह में आ रहे है। हमारे त्यौहार हमें नई प्रेरणा देते है, नई शक्ति का संचार करते है तथा कामकाज की उकताहट व नीरसता को विराम लगाते है।

चैत्र शुक्ल नवमी भगवन राम का प्राकट्य दिवस है। भगवान राम का जीवन चरित्र हमें साधारण मानव से पुरुषोत्तम बनने का मार्ग बताता है। मर्यादाओं का मान करना सिखाता है। राम का भ्रातृत्व प्रेम अप्रमेय तथा अतुलनीय है। माता कैकयी ने भरत को राजगद्दी दिलाने हेतु श्री राम को वन भेजा पर राम के मन में भरत के प्रति न कोई ईर्ष्या या द्वेष था न माता कैकयी के प्रति कोई बैर या प्रतिशोध का भाव। भरत ने भी नगर के बाहर नंदीग्राम मे सन्यासी की तरह जीवन यापन किया। श्री राम का अनुकरण १४ वर्ष। तक कंदमूल फल खाकर जमीन पर ही सोना-उठाना-बैठना करते हुए राजकीय ऐशो-आराम को तिलांजलि देकर किया। ऐसे प्रेम और सम्मान देने की मिसाल कहाँ मिलेगी। आज तो संपत्ति के लिए भाइयों मे बैर हो जाता है, कोर्ट कचहरी तककी नौबत आ जाती है। हमारे लिए यह बहुत बड़ी शिक्षा है जिसे हमें हृदयंगम करना चाहिए। लक्ष्मण को वन गमन का कोई आदेश नहीं हुआ था परन्तु वह भी राम के साथ वन मे गए ताकि राम की सेवा कर सके। उन्होंने अनुचर की तरह उनके साथ १४ वर्ष बिताये। ऐसे भ्रातृत्व प्रेम की मिसाल दुनिया मे कहीं नहीं मिलेगी। भाइयों में आपस मे प्रेम भाव तथा त्याग की भावना होनी चाहिए। संपत्ति के बंटवारे मे यही सोचकर संतोष करना चाहिए। कैकयी को राम से अथाह प्रेम था। वह भरत से भी ज्यादा राम को प्यार करती थी। यह तो नियति की रची रचाई रचना थी। राम को वनवास नहीं होता तो उनके प्राकट्य का प्रयोजन ही विफल हो जाता। दुर्जय और दुराचारी राक्षसों का वध कैसे होता? राम को भी कैकयी के प्रति माँ कौशल्या से कम आदर भाव नहीं था। कैकयी को उन्होंने यही कहा कि माते अपने राम पर आपको इतना भी भरोसा नहीं था, राम आपका आदेश कभी टाल सकता है क्या, पिताजी के वचनों का सहारा लेने की क्या आवश्यकता थी? आपके आदेश ही मेरे लिए शिरोधार्य है। वनगमन देने वाली माता के प्रति यह है श्री राम के भाव। हमें भी अपने माता-पिता तथा बड़ों का पूरा आदर और सम्मान करना चाहिए और फिर ऐसी अवस्था मे वृद्धाश्रमों की क्या आवश्यकता रह जाएगी। पत्नी के प्रति भी राम का प्रेम अपरिमित है। माता सीता ने राम से कहा कि मैं भी वन में आपके साथ चलूंगी, तो राम ने वनों के कष्टों का उल्लेख करते हुए सीता को समझाने का प्रयास किया पर जब वह नहीं मानी तो उसके इस अधिकार का हनन नहीं किया एवं उन्हें भी अपने साथ ले लिया और १४ वर्ष साथ रहकर सात्तिवकता के साथ सन्यासियों सा जीवन व्यतीत किया। जब रावण ने सीता का अपहरण किया तो एक साधारण मानव की तरह भगवान होते हुए भी पत्नी वियोग मे सुध बुध खो बैठे। माँ सीता को लाने जंगल भटके। बंदरों और भालुओं की सेना तैयार की। माँ सीता का पता लगाया। दुर्गम समुद्र पर राम सेतु का निर्माण किया और युद्ध के बाद माँ सीता का उद्धार किया। आज के दिन कोई क्या इतना करेगा? जहां तक माँ सीता के ऊपर धोबी द्वारा लांछन लगाने पर गर्भवस्था मे उन्हें जंगल मे छोड़ने की बात है तो उस पर कई विद्वानों ने शंका उठाई है। संत तुलसीदास जी ने तो राम के राज्याभिषेक के बाद का कोई चित्रण नहीं किया है। महर्षि बाल्मीकि की रामायण मे इसका उल्लेख आता है जहां माँ सीता ने तव कुश की जन्म दिया था। विद्वानों का मत है कि बाल्मीकि रामायण मे यह अंश बात में प्रतिरोपित है। यह महर्षि बाल्मीकि की रचना नहीं है। भाषा मे ही अंतर है। राज्याभिषेक के बाद श्री राम ने माँ सीता के साथ कई वर्षों तक अपने भाइयों के सहयोग से राज्य किया। राजा राम को बदनाम करने के लिए गर्भावस्था में माँ सीता की वनवास वाला प्रसंग जोड़ा गया है। यह बात तो सोचनीय है कि जितना प्रेम श्री राम को माँ सीता से था उस हालात में प्रसंग अविश्वसनीय लगता है।

निषादराज को मित्र बनाते है। माँ सबरी, जो एक भिलनी थी, के जूठे बेर खाते है। कोई ऊंच-नीच का भेदभाव नहीं था उनमे। हम लोगों को तो आजकल हर समय अपना स्टेटस याद आता है। हम अपने कर्मचारियों के साथ सीधे मुँह बात नहीं करते। राम के जीवन से ही प्रेरणा मिलेगी। इसलिए राम सज्य की सभी चाह करते है। जटायु जो एक पक्षी था पर पिता महाराज दशरथ का मित्र भी था एवं सीता के लिए रावण से युद्ध करते हुए घायल होकर अपने प्राण त्याग दिए। श्री राम ने एक मानव की भांति उसका अंतिम संस्कार लकड़ी की चिता बनाकर स्वयं किया। ये है मन के श्रेष्ठ भाव उद्धार। समानता की भावना, कोई ऊंच-नीच का भेदभाव नहीं। आज के समाजवाद, साम्यवाद, तानाशाही या लोकतंत्र कहीं भी ऐसी भावना देखने को नहीं मिलेगी।

अहिल्या का उद्धार किया गुरु के आदेश से, मन मे एक हिचक थीं – स्त्री को स्पर्श कैसे कर सकता हूँ। गुरु ने समझाया कि यह पत्थर की शापित मूर्ति यहाँ वर्षों से तुम्हारी राह देख रही है। तुम अगर स्पर्श नहीं करोगे तो इसका उद्धार कभी नहीं होगा और यह ऐसे ही नष्ट हो जायेगी। राम एक निष्ठ है, एक पत्नी का संकल्प ले चुके है पर गुरु का आदेश मानकर अहिल्या का उद्धार किया। माँ सीता के अलावा राम ने किसी और से कभी भी प्रेम नहीं किया। मन

में ऐसा भाव भी नहीं आने दिया। ऐसी सचरित्रता की प्रेरणा हमें श्री राम के जीवन से मिलती है। श्री राम का पूरा जीवन मर्यादा, प्रेम, भाईचारा, अनुशासन, अग्रजों एवं गुरुजनों का सम्मान तथा न्याय संगत आचरण से भरा पड़ा है। जितना गहरा अध्ययन हम रामायण का करेंगे, राम के जीवन से हमें सदा शिक्षा व प्रेरणा मिलती रहेगी।

इसी तरह हमारे अन्य त्योंहार भी हमें कुछ न कुछ देकर जाते है। नवरात्र सशक्त होने का सन्देश देता है तो गणगौर पारिवारिक परंपराओं की मर्यादा रखने की याद दिलाता है जब भगवन शिव विवाह के बाद माँ पार्वती को उनकी पीहर से विदा कराने लेने जाते है। सरहुल एवं वैशाखी प्रकृति पूजा एवं नई फसल आने की खुशी मानाने का पर्व है। साथ ही साथ देश के अपने त्योहारों को हमें खूब मनोयोग से आनंद के साथ मनाना चाहिए तथा उनमें निहित उद्देश्य को समझते हुए प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए। देश के कई हिस्सों मे वैशाख मास से नव वर्ष का प्रारंभ होता है। सूर्य संक्रमण के आधार पर इनके नववर्ष का प्रारंभ होता है वहीं विक्रमी संवत का आधार चन्द्रमा की गति पर आधारित है।

मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि नया विक्रम संवत हम सबके लिए शुभ हो।

जय समाज जय राष्ट्र!

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

उड़ीसा के मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने अढ़ाई वर्षीय शिशु अन्वी अग्रवाल से मुलाकात की। अन्वी अग्रवाल इतनी कम उम्र होने के उपरांत भी अपने पेंटिंग के कारण अनेको सम्मान से सम्मानित हुई है। इसमे लंदन बुक ऑफ रिकार्ड भी सम्मिलित है।

अन्वी अपनी माताजी अनुराधा डालमिया अग्रवाल एवं अपने दादा-दादी के साथ मुख्यमंत्री श्री पटनायक से उनके निवास स्थान पर भेंट कर उनका एक विशिष्ट चित्र भेंट किया। अन्वी की प्रतिभा से प्रभावित होकर श्री पटनायक ने अन्वी को अपना हस्ताक्षर मुक्त चित्र भेंट किया। अन्वी ने अभी तक ३७ भिन्न-भिन्न तकीकों का प्रयोग करते हुए ७२ चित्र बनाये हैं।

प्रादेशिक समाचार : कर्नाटक

गणगौर महोत्सव धूमधाम से मनाया

बैंगलोर : स्थानीय मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक द्वारा जयनगर स्थित होटल सनमान गार्डनिया में प्रातः ९ बजे से गणगौर महोत्सव का आयोजन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर गणगौर माता का भव्य दरबार सजाया गया। महिलाओं ने गणगौर पूजन कर गणगौर के गीतों की प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। सभी महिलाओं व बच्चों ने गणगौर गीत व राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति पर नाच-नाच कर आनन्द लिया। इस अवसर फैंसी ड्रेस, नृत्य एवं गीत प्रस्तुति की प्रतियोगिता में भाग लेने वाली महिलाओं को पुरस्कार दिया गया। सर्वप्रथम प्रांतीय अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश जालान, बैंगलोर जिला अध्यक्ष अरूण खेमका, कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश पोद्दार, सीताराम अग्रवाल, बबीता चमड़िया, रमेश भाऊवाला, प्रतियोगिता जज, मंजू अग्रवाल, माया अग्रवाल, ममता झांझरिया संचालिका जया चौधरी ने द्वीप प्रज्वलित किया। अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने आये हुये सभी लोगों का स्वागत किया, संदीप बरड़ीया एवं टीम व सुश्री स्तुति, सविता शर्मा, मनीषा, वन्दना तुलस्यान, किशन बगड़िया नें अपनी सुंदर प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया व झूमने को मजबूर किया महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल ने आभार प्रकट किया। सभी महिलाओं ने इस सुन्दर आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रकाश भाऊवाला, संजय चौधरी, प्रकाश चौधरी, गंगाधर मोर, जोधराज गौरीसरीया, खुशबू बंसल, नेहा टेकड़ीवाल, पिंकी अग्रवाल, गायत्री देवी अग्रवाल सहित काफी लोग उपस्थित थे।

निरंतर समाजसेवा हमारा कर्त्तव्य एवं परम्परा भी : गोवर्धन गाड़ोदिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक गत ०९ अप्रैल २०२२ को कोलकाता–स्थित हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित हुई। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने सभी उपस्थितों का स्वागत करते हुए होली, नवरात्र एवं रामनवमी की बधाइयाँ दी। उन्होंने कहा कि शौर्य के साथ नम्रता और मर्यादित आचरण पुरुष को पुरुषोत्तम बनाते हैं। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि हमारे त्यौहार विशिष्ट संदेश देते हैं जैसे होली हमें अहंकार का त्याग करने और सभी से प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है। सम्मेलन की प्रांतीय एवं स्थानीय शाखाओं द्वारा सक्रियता से सम्पादित किए जा रहे कोरोनाराहत सेवाकार्यों पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि समाज सेवा हमारा दायित्व है और हमारी परम्परा भी यही रही है। **श्री गाड़ोदिया ने कहा कि पिछले कुछ समय से कोरोनाजनित कारणों से हमारी गतिविधियाँ स्वतंत्र रूप से नहीं हो पायी और इच्छित परिणाम प्राप्त नहीं किए जा सके, तथापि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारी शाखाओं ने हर स्तर पर प्रशंसनीय प्रयास किए और अच्छे परिणाम प्राप्त किए।**

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने सामाजिक सुधार हेतु समाज के सभी वर्गों विशेषकर मातृशक्ति एवं युवाशक्ति की सहभागिता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि समाज सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है और इस हेतु अनवरत प्रयासरत रहना होगा। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि दाम्पत्य–सम्बंधो में कटुता आज समाज की एक बड़ी समस्या एवं विचारणीय विषय है। उन्होंने सम्मेलन के मासिक मुखपत्र 'समाज विकास' को और व्यापक बनाने की भी सलाह दी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने संगठन–-विस्तार को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सदस्य–संख्या बढ़ाने के लिए हर सम्भव प्रयास का आह्वान किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, जिन्हें गत २१ मार्च २०२२ को भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री से नवाजा गया है, के बैठक में पहुँचने पर, उपस्थितों की करतल ध्वनि के बीच, उनका भव्य स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय कुमार हरलालका** ने सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (२९ अगस्त २०२१, वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से) का कार्यवृत प्रस्तुत किया, जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। सम्मेलन की हालिया गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताते हुए श्री हरलालका ने कहा कि कोरोना के प्रकोप के बाद सम्मेलन ने अपने संसाधन और ऊर्जा मुख्यतः कोरोनाराहत कार्यों पर केन्द्रित की है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की महती अनुकम्पा से अब हम वर्चुअल बैठकों से बाहर आकर एक-–दूसरे से मिल–जुल रहे हैं तथापि हमें सतर्कता बनाये रखनी है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका ने अपने सम्बोधन में संगठन–विस्तार को सर्वोपरि बताया। प्रादेशिक अध्यक्षों श्री गोविन्द अग्रवाल (ओडिशा) एवं श्री नंद किशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग) ने अपने–अपने प्रदेश की गतिविधियों पर रपट प्रस्तुत की। बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष श्री महेश जालान, जो अपरिहार्य कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके, ने अपने प्रदेश की गतिविधियों पर लिखित रपट प्रेषित की।

कार्यसूची के अनुसार प्रादेशिक शाखाओं के संविधानों में एकरूपता लाने के विषय पर वचार–विमर्श हुआ। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सम्मेलन की संविधान उपसमिति के चेयरमैन **श्री संतोष सराफ** ने पृष्ठभूमि रखी और विषय–प्रवर्तन किया। **विस्तृत विचार–विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी प्रादेशिक शाखाओं के संविधानों में एकरूपता होनी चाहिए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रूँगटा ने सलाह दी कि केन्द्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर प्रासंगिक विमर्श कर संविधान उपसमिति इस विषय पर एक 'हवाईट पेपर' प्रस्तुत करे। सभी उपस्थितों ने सहमति जताई।**

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं 'समाज विकास' के सम्पादक **श्री शिव कुमार लोहिया** ने पत्रिका के प्रकाशन के विषय में बताया और उपस्थित पदाधिकारियों–सदस्यों से प्रकाशन हेतु रपट, लेख आदि प्रेषित करने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने कहा कि सामाजिक कार्यों के सफलतापूर्वक सम्पादन हेतु रणनीति बनाकर, सक्रियतापूर्वक एवं संगठित ढंग से कार्य करना आवश्यक है।

सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चैयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने सम्मेलन की आर्थिक स्थिति के विषय में संक्षेप में बताया और सभी उपस्थितों से समाज विकास में वित्तीय सहयोग का अनुरोध किया। **सर्वश्री कमल कुमार सिंघानिया, प्रह्लाद राय गोयनका, शिव रतन फोगला, सुरेश कमानी, रमेश नागलिया, नंदलाल सिंघानिया एवं विजय डोकानियाँ** ने अपने संक्षिप्त विचार रखे। वयोवृद्ध **श्री महावीर मनक्सिया** ने अपनी मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने धन्यवाद–ज्ञापन किया और राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री गोपाल अग्रवाल, श्री सुदेश अग्रवाल**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर बिदावतका, सर्वश्री पवन जालान, जयदयाल अग्रवाल, विजय केडिया, विनोद अग्रवाल, अरुण प्रकाश मल्लावत, राम प्रसाद सराफ, बृजमोहन गाड़ोदिया, जयगोविन्द णन्दौरिया, गोपी धुवालिया, अशोक गुप्ता, नरेन्द्र तुलस्यान, सुशील अग्रवाल, प्रमोद बाजला, अमित मूँधड़ा, अशोक पुरोहित, राजेश पोद्दार, संदीप सेक्सरिया, प्रमोद गोयनका, पवन बंसल, ताराचंद पाटोदिया, संजय शर्मा, ओम प्रकाश अग्रवाल, पवन कुमार बंसल, विनय कुमार सराफ, गोविंद अग्रवाल, सुरेश कुमार, राजेश कुमार पोद्दार, विकास नांगलिया, सुशील अग्रवाल, प्रमोद बाजला, शंकर लाल कारीवाल, शशि पाटोदिया, अशोक पुरोहित, संजय गोयनका, विमल कुमार केजरीवाल** आदि उपस्थित थे।

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

यह सम्मान पूरे समाज का सम्मान है – अगरवाला
इस सम्मान से सम्मेलन का मान बढ़ा है – गाड़ोदिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं रूपा समूह के चेयरमैन श्री प्रह्लाद राय जी अगरवाला का रविवार दिनांक २४ अप्रैल २०२२ को २७, बालीगंज पार्क, कोलकाता में पद्मश्री से अलंकृत होने के उपलक्ष्य में सार्वजनिक अभिनंदन सम्पन्न किया गया। समारोह अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं सीकर नागरिक परिषद् के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

स्वागत भाषण देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि यह सम्मान पूरे हिन्दी भाषा–भाषीयों का सम्मान है, खासकर ट्रेड एवं इंडस्ट्री के क्षेत्र में प्रह्लाद जी को पद्म श्री से अलंकृत किये जाने से उद्योग जगत में हर्ष की लहर है। किसी गैर हिन्दीभाषी प्रदेश से किसी हिन्दीभाषी शख्सियत को मिलना अत्यधिक गौरव की बात है। उनके सम्मान से सम्मेलन का मान बढ़ा है।

सीकर नागरिक परिषद् के अध्यक्ष श्री सुरेश जालान ने अगरवाला को प्रेरणा का स्त्रोत बताया। उन्होंने कहा कि हमारे भूतपूर्व अध्यक्ष प्रह्लाद राय जी का स्वागत करके हम गर्वित है।

सीकर नागरिक परिषद के मंत्री श्री रवि सिकरीया ने भी अपने व्यक्तव्य रखे।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नंद लाल रूँगटा ने अगरवाला को सरल हृदय व्यक्ति कहा। उन्होंने कहा कि प्रह्लाद राय जी सदैव समाजहित की सोचते हुए उद्योग जगत में प्रगति की मिशाल कायम की है एवं दूसरो को भी सफलता का रास्ता दिखाया है।

श्री हरि मोहन बांगड़ ने अगरवाला जी के साथ उनक दीर्घ मित्रता की चर्चा करते हुए कहा कि वे एक श्रेष्ठ व्यक्ति हैं।

सम्मेलन के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने प्रह्लाद राय जी को बहुआयामी, मिलनसार एवं जिंदादिल व्यक्ति कहा, उन्होंने जीवन में अनेको उतार–चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने अपने संघर्षो के दिनों को कभी नही भूला। वंचित, दीन--दुखियों की भलाई के लिए तन–मन–धन से सदैव तत्पर रहते हैं।

श्री विवेक गुप्त (एम. एल. ए.) ने कहा कि प्रह्लाद जी का संरक्षण उन्हें सदैव प्राप्त हुआ है। उन्होंने अगरवाला जी के विभिन्न पक्षों के विषय में बताया।

जाने–माने चित्रकार एवं कलाकार श्री शुभो प्रसन्ना ने कहा की मैं जिस शहर में पला बड़ा हूँ, वहाँ मारवाड़ी समाज के लोग भी रहते है। मैं गर्वित हूँ कि राजस्थान से आकर श्री अगरवाला ने इस राज्य को समृद्ध किया। मारवाड़ी व बगला संस्कृति समाजने मिलकर विकास के लिये काम किया है। यह सम्मान राजस्थान, बंगाल एवं देश का सम्मान है। उनके रूपा समूह का कोई विकास नहीं है।

साहित्यकार डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी ने कहा कि यह सम्मान पूरे कोलकाता का सम्मान है। अगरवाला ने कर्मभूमि कोलकाता

के साथ जन्मभूमि राजस्थान के साथ भी सामंजस्य स्थापि कर समाज सेवा की मिसाल कायम की है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने भी अपने व्यक्तव्य रखे।

कार्यक्रम में सम्मान से अभिभूत श्री प्रह्लाद राय अगरवाला जी ने कहा कि यह सम्मान पूरे समाज का है। समाज के लोग आगे बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि विश्व में सर्वश्रेष्ठ २० कम्पनियो के सी.ई.ओ. भारतीय मूल के है। वह दिन दूर नही जब हम सर्वोच्च शिखर पर होंगे।

श्री घनश्याम अगरवाला एवं कुंज बिहारी अगरवाला ने भी प्रह्लाद राय जी के पारिवारिक, सामाजिक एवं औद्योगिक अवदानो के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि वे सदैव प्रेरणास्त्रोत रहे हैं।

कार्यक्रम में संगीतमय रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम के दौरान प्रह्लाद राय जी के जीवन पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

कार्यक्रम में लगभग ४५ संस्थाओं की ओर से श्री अगरवाला जी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री अनिल पोद्दार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सर्वश्री पूर्व अध्यक्ष राम अवतार पोद्दार, उपाध्यक्ष द्वय भानीराम सुरेका, पवन कुमार गोयनका, संयुक्त महामंत्री द्वय गोपाल अग्रवाल, सुदेश अग्रवाल, संगठनमंत्री बसंत मित्तल, कोषाध्यक्ष तामोदर बिदावतका, डॉ. जे.के. सर्राफ, आनंद अग्रवाल, आत्माराम सोंथलिया, शिव कुमारलोहिया, नंद किशोर अग्रवाल, पवन जालान, कैलाशपति तोदी, हरिकिशन चौधरी, नंदलाल सिंघानिया, निर्मल कावरा, राम प्रसाद सराफ, गोपी धुवालिया, अरुण प्रकाश मल्लावत, रवि लोहिया, राजेन्द्र खण्डेलवाल, प्रमोद गोयनका, सुरेश अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, इसके आलावा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं सीकर नागरिक परिषद् एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण और शहर के अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की अप्रैल माह का प्रतिवेदन

प्रशासनिक गतिविधियाँ परवान चढ़ीं, शाखाएँ भी सक्रिय रहीं

अप्रैल माह के प्रथम दिन हीं राष्ट्रीय कार्यालय के अनुरोध के अनुसार प्रादेशिक कार्यकारिणी समिति की विशेष बैठक "संवाद और समन्वय" बेतिया शाखा के आतिथ्य और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार प्रान्त के प्रभारी श्री पवन कुमार सुरेका जी के संरक्षण में आयोजित की गई जिसमें २७ फरवरी २०२२ को बेगूसराय शाखा के सौजन्य से आयोजित प्रादेशिक कार्यकारिणी समिति की चतुर्थ बैठक "अवलोकन" में पारित संविधान संशोधन संबंधी प्रस्तावों पर बिहार प्रान्त के ही निवर्तमान अध्यक्ष श्री विनोद तोदी एवं पूर्व अध्यक्ष श्री कमल नोपानी और श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला की आपति के मद्देनजर पुनर्विचार किया गया और सभी प्रस्ताव यथावत सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बेतिया में बैठक के उपरान्त "मिशन बागबान" के अंतर्गत मारवाड़ी समाज के अति वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रादेशिक अध्यक्ष महेश जालान ने बिहार में व्यवसायियों, विशेषकर मारवाड़ी व्यापारियों, के प्रति लगातार बढ़ती जा रही आपराधिक घटनाओं पर गहरा रोष और चिंता व्यक्त की।

३ अप्रैल के दरभंगा शाखा के आतिथ्य में प्रादेशिक सभा की प्रथम बैठक "आह्वान और आहुति" आयोजित की गई जिसमें प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा, संविधान संशोधन संबंधी प्रस्तावों पर स्वीकृति, महामंत्री के वार्षिक प्रतिवेदन और प्रादेशिक लेखा-जोखा को पारित करने के अतिरिक्त आगामी अवधि के लिए कार्यक्रमों एवं योजनाओं का निर्धारण किया गया।

भारतीय नव वर्ष के अवसर पर ३ अप्रैल २०२२ को दरभंगा

में "नूतन वर्षाभिनंदन समारोह" आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत राजस्थानी एवं बिहारी लोक कला से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन किया गया। उपस्थित जनसमूह ने एक दूसरे को नए साल की बधाई दीं और मिठाइयाँ बाँटीं। नव वर्ष समारोह के दौरान हीं मारवाड़ी समाज के अति वरिष्ठ एवं सामाजिक व्यक्तियों और युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

सीतामढ़ी एवं बाराचकिया शाखाओं के द्वारा गणगौर पूजन एवं विसर्जन का भव्य आयोजन किया गया जिसमें काफी बड़ी संख्या में महिलाएँ पारंपरिक परिधानों में शामिल हुई। मधेपुरा शाखा के द्वारा दो ऑक्सीजन कंसंट्रेटरों की सेवा प्रारंभ की गई। पटना सहित अनेक शाखाओं के द्वारा रामनवमी के अवसर पर जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शर्बत, फल, प्रसाद आदि की व्यवस्था की गई। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर डेहरी ऑन सोन शाखा के द्वारा माता की चौकी का आयोजन किया गया।

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS
STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT
Our Services
Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
Shipping / Steamer Handling Agent
Road Transportation
In bound & Out bound Logistics
Container Freight Services
A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com
PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का काम – महेश जालान

ग्रीष्म ऋतु में राह चलते राहगीर अपनी प्यास बुझाने के लिए ठंडे पानी की खोज में रहते हैं। ऐसे वक्त में अगर शुद्ध मीठा पेय मिल जाता है तो इससे पढ़कर खुशी की बात और कुछ भी नही हो सकती। वैसे भी हमारे शास्त्रों में प्यासे को पानी पिलाना पुण्य का काम माना गया है। उसका महत्व तब और बढ़ जाता है जब अवसर अक्षय तृतीया का हो। उपरोक्त बातें बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष महेश जालान ने अमृत महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर कहीं। मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर बिहार के ३५ जिलों की १०४ शाखाओं के माध्यम से १२० स्थानों पर अमृत महोत्सव के अंतर्गत आम आवाम के बीच शिकंजी, नींबू, सत्तू, शरबत, जलजीरा, छाछ, लस्सी बेल और तरबूज का जूस इत्यादि जरूरतमंदों को पिलाया गया।

जालान ने बताया कि सेवा और परोपकार मारवाड़ी समाज के संस्कार हैं। यदि पर्व त्यौहारों को उत्सवधर्मिता के साथ ही यदि भलाई के काम से भी जोड़ दिया जाए वो उनका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से आकर देश-विदेश के विभिन्न भागों में बसा मारवाड़ी समाज स्थानीय लोगों की बेहतरी और विकास के लिए निरन्तर काम करता है।

मारवाड़ी सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष संगठन नीरज खेड़िया ने कहा कि अमृत महोत्सव की सफलता के लिए जिस प्रकार न केवल सम्मेलन के सदस्य बल्कि बच्चे युवा और महिलाएं भी, सभी एकजुटता के साथ लगे रहे उससे यह संदेश गया है कि सिर्फ अपने लिए जीना ही जिंदगी नही होती मनुष्य को दूसरे के भी काम आना चाहिए।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष प्रशासन राजेश बजाज ने अमृत महोत्सव की सफलता के लिए समस्त पदाधिकारियों सदस्यों एवं समाजबंधुओं को हार्दिक बधाई देते हुए विश्वास जताया कि सम्मेलन के आगामी सेवा कार्यों में भी उन सभी का सहयोग इसी प्रकार मिलता रहेगा।

मौके पर एम पी जैन ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन हर समय समाज की भलाई केलिए कार्य करता रहेगा।

पुत्री ने दी मुखाग्नि

दरभंगा के समाज सेवी श्री नवीन कुमार बैरोलिया जी पिछले कई वर्षों से माऊथ केंसर से पीड़ित थे, कम ही उम्र में उनका निधन ४ अप्रैल, २२ को हो गया। उनके दो बेटियां जूही एवं आयुषी है। जुही की शादी पटना निवासी श्री विनोद बंसल जी के लड़के से हुई है। छोटी बेटी आयुषी जो अविवाहित है, अपनी अच्छी पढ़ाई को छोड़ कर पिता जी का सारा व्यापार संभाले हुये है।

इस लड़की के विचार, साहस, की दाद देनी होगी। पिता जी को इसने मखाग्नि दी, बारह दिन की सभी विधि विधान को इसने स्वयं संपन्न किया। बारवे दिन टिका में स्वयं बैठकर पूजा की। आगे पिता जी के सारे व्यापार को खुद संभालने का निर्णय लिया है। इस बच्ची की हिम्मत की दाद देते हैं, जिसने समाज को विशेष कर लड़कियों में लिए एक उदाहरण प्रस्तुत की है। इससे लड़कियों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **पवन कुमार सुरेका** द्वारा प्रेषित)

प्रादेशिक समाचार : झारखंड

प्याऊ का उद्घाटन – राँची

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल जी ने सहायक समिति मारवाड़ी भवन परिसर में एक अस्थाई प्याऊ का उद्घाटन किया।

विप्र फाउंडेशन झारखंड प्रांत व रांची जिला के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्री परशुराम जयंती अवसर पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमे राज्यसभा सांसद श्री महेश जी पोद्दार एवम् प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल जी ने उद्घाटन किया, इस शिविर मे श्री पवन शर्मा ने भी रक्तदान किया...।

सराहनीय कार्य – हजारीबाग

आज हजारीबाग जिला मारवाड़ी सम्मेलन की 'नारी शक्ति' शाखा के सदस्यों द्वारा ओल्ड एज होम (वृद्धा आश्रम) का भ्रमण किया गया। ये अपने साथ फल एवं ग्लूकोज वगैरह ले गयी थी। इन सभी का वितरण किया गया तथा आश्रम में रह रहे लोगों से उनका हालचाल पूछा, उनकी समस्या जानी तथा जरूरत समझी। इनके आत्मीय व्यवहार से लोग काफी खुश हुये तथा उन्हें अपनी शुभकामनाएँ तथा आशीर्वाद दिया। सदस्यों ने भविष्य में पुनः आने का भरोसा एवं यथासंभव मदद करने का आश्वासन दिया। आज के कार्यक्रम में रूपा वैद्य, मीना अग्रवाल, अंजू बूबना, अनिता लिसारिया, सरोज सोनी, सुधा जैन अजमेरा, शिखा अग्रवाल, सुमित्रा अग्रवाल, बरखा अग्रवाल वगैरह उपस्थित थे।

श्रद्धांजली कार्यक्रम – चाईबासा

मारवाड़ी सम्मेलन चाईबासा द्वारा आज रुँगटा चौक स्थित सुरभी के सामने स्वर्गीय सीताराम जी रुँगटा की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजली कार्यक्रम आयोजित किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन चाईबासा के सदस्यों ने स्वर्गीय सीताराम जी रुँगटा की फोटो पर माल्यार्पण किया एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजली सभा के उपरांत सदस्यों के द्वारा गमछा ४००, छाता १००, टोपी १००, एक क्विंटल तरबूज, आईसक्रीम २००० एवं शर्बत वितरण किया गया। मौके पर पुर्व मंत्री झारखंड सरकार के बडकुंर गागराई प्रताप कटियार पहुँच कर श्रद्धांजली अर्पित की। आज के कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन चाईबासा के जिला अध्यक्ष राजकुमार मुधड़ा पुरुषोत्तम शर्मा शाखा अध्यक्ष अनिल मुरारका अशोक विजयवर्गी मनोज शर्मा धीरज अग्रवाल रुपेश अग्रवाल अनिल चिरानिया गौरीशंकर चिरानिया नारायण पाडिया जीवन वर्मा दिलीप चिरानिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

झारखंड

त्रैमासिक रिपोर्ट – पूर्वी सिंहभुम

पूर्वी सिंहभुम जिला मारवाड़ी सम्मेलन एवं अंतर्गत शाखाओ द्वारा जनवरी/फरवरी एवं मार्च, माह में किये गए कार्यो की मासिक रिपोर्ट (१ जनवरी २०२२ से ३१ मार्च २०२२) इस प्रकार है :

२ जनवरी : कम्बल वितरण के दुसरे चरण में १२० गरीब एवं जरूरतमंद के बीच कम्बल वितरण किया गया।

७ जनवरी : जिला द्वारा अपने समाज के एक बच्चे की पढ़ाई हेतु रू. १४८१०/- की स्कूल फ़ीस उपलब्ध करायी गयी।

८ जनवरी : कम्बल वितरण के तीसरे चरण में १४० जरूरतमंदो के बीच आदर्श सेवा संस्थान में कम्बल वितरण का कार्य किया गया।

१३ जनवरी : प्रांतीय पदाधिकारी श्री विजय खेमका जी को अन्तराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री बनने हेतु बधाई एवं सम्मानित किया गया।

१८ जनवरी : चाकुलिया में अपने समाज के लोगों को असामाजिक तत्वों द्वारा तंग किये जाये पर ग्रामीण एस.पी. से मिलकर इससे अवगत करवाया गया और अपने समाज के बंधुओ पर जो गलत आरोप था उससे उन्हें बरी करवाया गया।

२१ जनवरी : जिला सदस्य चाकुलिया से करीब १० कि.मि. दूर हो रहे भगवत कथा में शामिल हुए एवं चाकुलिया शाखा सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

२६ जनवरी : जिला के अंतर्गत सभी शाखाओं के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ एक बैठक, संगठन एवं सामाजिक कार्यों को गति देने सम्बंधित चर्चा।

२६ जनवरी : भालूबासा शाखा द्वारा गणतंत्र के अवसर पर गाँधी आश्रम में फल, नाश्ता, बिस्कुट, चिप्स एवं चोकलेट का वितरण किया गया।

८ फरवरी : साक्ची शाखा द्वारा गोपाष्टमी के अवसर पर गौशाला में हरी सब्जी, गुड एवं चारा का वितरण किया गया।

१६ फरवरी : भारत भ्रमण में निकले अपने समाज के युवा रोहन अग्रवाल जी का जमशेदपुर आगमन पर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

१८ फरवरी : मानगो शाखा द्वारा एस.बी.एम. स्कूल के छात्राओं के बीच सेनिटरी नेपकिन का वितरण किया गया।

२७ फरवरी : जिले के आतिथ्य में झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की सप्तम कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गयी, इस बैठक में साक्ची शाखा को सम्मानित किया गया।

१३ एवं १४ मार्च : साक्ची शाखा द्वारा समाज बंधुओ की सुविधा हेतु साक्ची में होली के बढ़कुल्ला उपलब्ध करवाया।

१४ मार्च : कदमा शाखा द्वारा समाज बंधुओ के लिए कदमा में होली के बढ़कुल्ला उपलब्ध करवाया गया।

१६ मार्च : साक्ची शाखा द्वारा होली के अवसर पर डांडा रोपण का कार्य किया गया।

१७ मार्च : साक्ची शाखा द्वारा होलिका दहन का कार्यक्रम एवं फूलो की होली का आयोजन किया गया।

१७ मार्च : जुगसलाई शाखा द्वारा होली के अवसर पर होली धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

१८ मार्च : गोलमुरी शाखा द्वारा होली के अवसर पर होली धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

१८ मार्च : साक्ची शाखा द्वारा होली के अवसर पर सामूहिक होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

२२ मार्च : पूर्वी सिंहभुम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अपने स्थायी कार्यालय का शुभारम्भ। यह कार्यालय समाज सेवी श्री बजरंगलाल चौधरी एवम उनके सुपुत्र श्री विवेक चौधरी जी द्वारा उपलब्ध करवाया गया है।

२९ मार्च : प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल जी का पूर्वी सिंहभुम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यालय एवं आगमन, संघटन पर विस्तृत चर्चा की गई।

३० मार्च : जिला द्वारा वृहत रूप से राजस्थान स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विशेष :

साक्ची शाखा द्वारा लगातार वार्षिक कार्यक्रम गाय की रोटी कार्यक्रम जारी।

जिला द्वारा जारी अन्नपूर्णा रसोई का कार्य जनवरी माह में पूर्ण।

जिला द्वारा सदस्यों की सूची को लगातार अपडेट करने का कार्य जारी।

जिला द्वारा शाखाओं के सहयता से आजीवन सदस्यों को जोड़ने का कार्य लगातार जारी।

बधाई !

बेटियों की उड़ान! समाज की मुस्कान!!

सम्मेलन की डेहरी ऑन सोन शाखा के आजीवन सदस्य श्री श्याम सुंदर अग्रवाल जी की सुपुत्री सुश्री प्रियंका अग्रवाल ने एमबीबीएस की परीक्षा सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर "डॉक्टर" की उपाधि हासिल कर ली है। सम्मेलन परिवार की ओर से गर्वित माता-पिता को हार्दिक बधाई और प्रियंका के उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ।

नगांव में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय सभा संपन्न

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय सभा नगांव शाखा के आतिथ्य में २४ अप्रैल २०२२, रविवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में संपन्न हुई। झंडोत्तोलन के पश्चात सभा प्रारम्भ

हुई। सर्वप्रथम मंच पर नगांव शाखा अध्यक्ष ललित कोठारी, प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय अरुण अग्रवाल, महामंत्री अशोक अग्रवाल, संगठन मंत्री कृष्ण लाल जालान, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी व विजय कुमार मंगलुनिया, मंडलीय उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, कार्यक्रम संयोजक प्रमोद कोठारी ने अपना स्थान ग्रहण किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात मारवाड़ी महिला मंच की सदस्याओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सदस्यों का स्वागत किया। आयोजक शाखाध्यक्ष ललित कोठारी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। नगांव शाखा ने मंच पर आसीन सभी पदाधिकारियों का फुलम गमछा से सम्मान किया।

इस अवसर पर नगांव पौरसभा चुनाव में विजयी समाज की महिला हेमा झंवर का भी फुलम गमछा से सम्मान किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल ने सभी प्रांतीय सभा सदस्यों व उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को स्थानीय भाषा सिखानी चाहिए तथा उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हमें स्थानीय समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए। इसके बाद एक वर्ष में हुई समाज बंधुओं के निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनटका मौन रखा गया।

प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट सभा के सम्मुख प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सम्मेलन की कुल ३२ शाखाएं सक्रिय थी। इस वर्ष अन्य १५ शाखाओं को फिर से सक्रिय किया गया तथा एक नई शाखा का भी गठन किया गया। उन्होंने कहा इस वर्ष आजीवन सदस्यों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने प्रांत द्वारा संपादित कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।

प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय अरुण अग्रवाल व संगठन मंत्री कृष्ण लाल जालान ने भी अपनी रिपोर्ट सभा के सम्मुख प्रस्तुत की। इसके पश्चात प्रांतीय कोषाध्यक्ष की अनुपस्थिति में आय-व्यय का हिसाब सभा के सम्मुख रखा गया, जिसे सभा ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। कोरोना काल में सेवा देने वाली शाखाओं को भी सम्मान प्रदान किया गया। प्रांतीय सभा में आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। इसके पश्चात सत्र २०१८-२० के प्रांतीय पुरस्कार भी शाखाओं में वितरित किए गए, जिसमें नगांव शाखा को विशिष्ट शाखा पुरस्कार, सर्वाधिक आजीवन सदस्य विस्तार, कोरोना सेवा कार्य हेतु, सर्वश्रेष्ठ जनसंपर्क कार्यक्रम, स्थापना दिवस के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ आयोजन हेतु पुरस्कार दिए गए। साहित्य सृजन व विकास समिति के संयोजक उमेश खंडेलिया ने बताया कि उनकी समिति के तत्वावधान में 'कीर्तिमंत' नामक पुस्तक का असमिया भाषा में प्रकाशन हो गया है व उसका विमोचन भी हो चुका है जिससे मारवाड़ी समाज के कीर्ति पुरुषों की

विशिष्टता व उपलब्धियां स्थानीय जनमानस तक पहुँचेंगी। सभा में अनेक शाखाओं के करीब १२५ सदस्यों ने प्रांतीय सभा में अंश ग्रहण किया। सभा के अंत में प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय अरुण अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा, मारवाड़ी महिला मंच, तेरापंथ महिला मंडल का उल्लेखनीय योगदान सभा में रहा। सम्मेलन के सभी सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा। नगांव शाखा के अध्यक्ष ललित कोठारी व सचिव संजय गाड़ोदिया ने सभी सदस्यों को व सभी संस्थाओं को धन्यवाद दिया। इसकी जानकारी नगांव शाखा के सहसचिव कमल आलमपुरिया ने दी।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सदस्यों द्वारा आज गुवाहाटी के विभिन्न थाना में रंगाली बिहू के उपलक्ष में पुलिस कर्मियों को फुलम गमछा से सम्मानित किया गया। असम के इतने महत्वपूर्ण त्यौहार पर भी यह पुलिसकर्मी अपने घर से दूर अपनी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। हम नागरिकों के लिए कानून व्यवस्था इनका दायित्व है। इस कार्यक्रम से इनको रंगाली बिहू के इस पावन त्योहार मनाने का अवसर मिला। तीनों थाना प्रभारी ने सम्मेलन की इस कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की।

बधाई !

मेघालय गेम्स २०२२ द्वारा आयोजित गोल्फ टुर्नामेंट में सुश्री गुंजन सिंघानिया ने रजत पदक जीता। १६ वर्ष की उम्र की श्रेणी में आयोजित टेनिस प्रतियोगिता के सिंगल में हर्ष सिंघानिया ने कास्य एवं डबल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। अनेकानेक बधाई!

श्रीमती उषा अग्रवाल

सरूपथार मारवाड़ी समाज की श्रीमती उषा अग्रवाल सरूपथार पौरसभा की चेयरमैन निर्वाचित हुई है। यह असम के मारवाड़ी समाज के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। उषा जी को सम्मेलन परिवार की तरफ से बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएँ।

श्रीमती हेमा झंवर

नगांव पौर सभा के निर्वाचन में ४ नंबर वार्ड से भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार श्रीमती हेमा झंवर को विजय लाभ करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनायें। उन्हें १७७५ में से ११७७ वोट मिले, कांग्रेस के उम्मीदवार को ४७३ वोट मिले और श्रीमती हेमा झंवर ७०४ वोट से विजयी रहीं। उल्लेखनीय है कि श्रीमती हेमा मारवाड़ी समाज की एकमात्र उम्मीदवार हैं। आज हम सभी गौरान्वित्त अनुभव कर रहे है।

श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की उत्कल प्रदेश की प्रांतीय शाखा उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की जिला शाखा कटक के संस्थापक अध्यक्ष श्री सुर्यकांत जी सांगानेरिया का गत २ फरवरी २२ को आकस्मिक बैकुण्ठवास हो गया।

सम्मेलन परिवार स्व. सुर्यकान्त सांगानेरिया जी को विनम्र -कृतज्ञ पुष्पांजलि अर्पित करता है और उनके परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति दें।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

आत्मात्मजाप्तगृहवित्तजनेषु सक्ते–
दुष्प्रापणाय गुणसङ्गविवर्जिताय।
मुक्तात्मभिः स्वहृदये परिभाविताय
ज्ञानात्मने भगवते नमः ईश्वराय।।

हे भगवान! जो व्यक्ति भौतिक कल्मष से पूर्ण रूप से मुक्त हैं, वे अपने हृदय के भीतर में सर्वदा आपका ध्यान करते हैं। आप मुझ जैसों के लिए दुष्प्राप्य हैं, जो मनोरथ, घर, सम्बन्धियों, मित्रों, धन, नौकरों तथा सहायकों के प्रति अत्यधिक आसक्त रहते हैं। आप प्रकृति के भौतिक गुणों से अकलुषित भगवान् हैं। आप समस्त ज्ञान के आभार, परमनियन्ता हैं। अतएव मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

यं धर्मकामार्थविमुक्तिकामा
भजन्त इष्टां गतिमाप्नुवन्ति।
किं चाशिषो रात्यपि देहमव्ययं
करोतु मेऽदभ्रदयो विमोक्षणम्।।

भगवान् की पूजा करने पर जो व्यक्ति धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष– इन चारों की कामना करते हैं, वे उनसे अपनी इच्छानुसार इन्हें प्राप्त कर सकते हैं। तो फिर अन्य आशीर्वादों के विषय में क्या कहा जा सकता है? कभी-कभी भगवान् ऐसे महत्त्वाकांक्षी पूजकों को आध्यात्मिक शरीर प्रदान करते हैं। जो भगवान् अत्यधिक दयालु हैं, वे मुझे वर्तमान संकट से तथा भौतिकतावादी जीवन शैली से मुक्ति का आशीर्वाद दें।

एकान्तिनो यस्य न कञ्चनार्थां
वाञ्छान्ति ये वै भगवत्प्रपन्नाः।
अत्यद्भुतं तच्चारितं सुमङ्गलं
गायन्त आनन्दसमुद्रमग्नाः।।
तमक्षरं ब्रह्म परं परेश–
मव्यक्तमाध्यात्मिकयोगगम्यम्।
अतीन्द्रियं सूक्ष्ममिवातिदूर–
मनन्तमाद्यं परिपूर्णमीडे।।

ऐसे अनन्य भक्त जिन्हें भगवान् की सेवा करने के अतिरिक्त अन्य कोई चाह नहीं रहती, वे भगवान् के चरणकमलों में पूरी तरह से शरणागत होकर उनकी पूजा करते हैं और उनके आश्चर्यजनक तथा शुभ कार्यकलापों के विषय में सर्वदा श्रवण तथा कीर्तन करते है। इस प्रकार वे सर्वदा दिव्य आनन्द रूपी सागर में मग्न रहते हैं। ऐसे भक्त भगवान् से कोई वरदान नहीं माँगते, किन्तु मैं तो संकट में हूँ। अतएव मैं उन भगवान् की स्तुति करता हूँ जो। साश्वत रूप में विद्यमान हैं, जो अदृश्य हैं, जो ब्रह्मा जैसे महापुरुषों के भी स्वामी हैं और जो केवल दिव्य भक्तियोग द्वारा ही प्राप्त होते हैं। अत्यन्त सूक्ष्म होने के कारण वे मेरी इन्द्रियों की पहुँच से तथा समस्त बाह्य अनुभूति से परे हैं। वे असीम हैं, वे आदि कारण हैं और सभी तरह से पूर्ण हैं। मैं उनको नमस्कार करता हूँ।

सोऽहं विश्वसृजं विश्वमविश्वं विश्ववेदसम्।
विश्वात्मानमजं ब्रह्म प्रणतोऽस्मि परं पदम्।।

भौतिक जीवन से मोक्ष प्राप्ति की कामना करता हुआ अब मैं उस परम पुरुष को नमस्कार करता हूँ जो इस ब्रह्मांड का स्रष्टा है, जो साक्षात् विश्व का स्वरूप होते हुए भी इस विश्व से परे है। वह इस दृश्य जगत में प्रत्येक वस्तु का परम ज्ञाता है, ब्रह्मांड का परमात्मा है। वह अजन्मा है और परम पद पर स्थित भगवान् है। मैं उनको सादर नमस्कार करता हूँ।

योगरन्धितकर्माणो हृदि योगविभाविते।
योगिनो यं प्रपश्यन्ति योगेशं तं नतोऽस्म्यहम्।।

मैं उन ब्रह्म, परमात्मा, समस्त योग के स्वामी को सादर नमस्कार करता हूँ जो सिद्ध योगियों द्वारा अपने हृदयों में तब देखे जाते हैं जब उनके हृदय भक्तियोग के अभ्यास द्वारा सकाम कर्मों के फलों से पूरी तरह शुद्ध तथा मुक्त हो जाते हैं।

नमो नमस्तुभ्यमसऽयवेग
शक्तित्रयायाखिलधीगुणाय।
प्रपन्नपालाय दुरन्तशक्तये
कदिन्द्रियाणामनवाप्यवर्त्मने।।

हे भगवान्! आप तीन प्रकार शक्तियों के दुस्तर प्रवाह के नियामक हैं। आप समस्त इन्द्रियसुख के आगार हैं और शरणांगत जीवों के रक्षक हैं। आप असीम शक्ति के स्वामी हैं, किन्तु जो लोग अपनी इन्द्रिय–संयम करने में अक्षम है, वे आप तक नहीं पहुँच पाते। मैं आपको बारम्बार सादर नमस्कार करता हूँ।

नायं वेद स्वमात्मानं
यच्छक्त्याहंधिया हतम्।
तं दुरत्ययमाहात्म्यं
भगवन्तमितोऽस्म्यहम्।।

मैं उन भगवान् को सादर नमस्कार करता हूँ जिनकी माया से ईश्वर का अंश जीव देहात्मबुद्धि के कारण अपनी असली पहचान को भूल जाता है। मैं उन भगवान की शरण ग्रहण करता हूँ जिनकी महिमा को समझ पाना कठिन है।

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th April 2022
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com